॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न.॥

स्वरपाराच गायन

🖁 चतुर्थ भाग

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपाल,

गांधर्व महा विवालय-वंदई हारा रवितः

सन १९२१.

इस पुस्तकके छापनेका सब अधिकार पुस्तक कर्ताने आपने स्वाधीन रखा है.

द्वितीयावृत्ति] प्रती १००० [मुल्य १। रुपया.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.